Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to constitute a committee to look into various issues of small savings agents in the country -laid.

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल) : देश भर में लगभग ५ लाख नेशनल स्मॉल सेविंग ऐजंट्स काम कर रहे हैं । इसमें 80 प्रतिशत महिलाए हैं । ये स्माल सेविंग ऐजंट्स नेशनल सेविंग स्कीम में निवेश हेतु वित्त मंत्रालय के लिए कार्य कर रहे हैं । लेकिन पिछले कुछ वर्षों से इन ऐजंट्स को अपना कार्य करने में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं ।

काँग्रेस सरकार के समय में इन ऐजंट्स के पी पी एफ स्कीम के अन्तर्गत मिलने वाले कमीशन को बंद कर दिया गया, इसके अतिरिक्त काँग्रेस शासन कल में ही श्यामला गोपीनाथ समिति का गठन किया गया था और इस समिति ने बिना कोई फील्ड वेरिफिकेशन और स्टडी के अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी जबकि इस समिति ने कभी भी इन ऐजंट्स से कोई सलाह मशविरा नहीं किया और न ही इनके साथ कोई बैठक की. रिपोर्ट में इन स्मॉल सेविंग ऐजंट्स की मेहनत और देश की आर्थिक वृद्धि में इनके योगदान की पहचान नही की गई । रिपोर्ट के आधार पर ही वरिष्ठ नागरिकों द्वारा की जाने वाली बचत के ऐजंट का कार्य इनसे छीन लिया गया और समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू कर दिया गया । इसके साथ ही साथ सुकन्या योजना में भी इन ऐजंट्स को बाहर रखा गया है । ये पुरुष और महिला ऐजंट्स पिछले ३० - ४० साल से स्माल सेविंग ऐजंट्स के रूप में कार्य कर अपना जीवन यापन कर रहे थे । जबकि अब कमीशन को कम किए जाने से इन ऐजंट्स को इस समय में अपने जीवन यापन के लिए बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है । अत: मेरा सरकार से अनुरोध है कि सरकार इन स्माल सेविंग ऐजंट्स के हितो की रक्षा हेतु नयी समिति का गठन करे जिसमे वित्त विभाग, डाक विभाग, नेशनल सेविंग इंस्टीट्यूट और नेशनल सेविंग ऐजंट्स असोशिएशन के सदस्य शामिल हो ।